खबर संक्षेप

सीबीएससी में निष्ठा ने जिले में किया टॉप

मण्डला। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल में भी प्रदेश की अलग-अलग जिलों की बेटियों ने परचम लहराया है। वही मध्यप्रदेश सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट में भी प्रदेश की बेटियों ने प्रदेश का और अपने जिले स्कूल का एक बार फिर से परचम लहराया है। मध्यप्रदेश सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट घोषित हुआ है। वहीं मंडला जिले से महर्षि विद्या मंदिर स्कूल की छात्रा निष्ठा पांडे ने सीबीएसई 10वीं क्लास में 97.4 प्रतिशत बनाकर जिले के साथ साथ स्कूल का नाम रोशन किया है। निष्ठा बताती है कि शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई करती थी। दिन में चार से पांच घंटे पढ़ाई करती थी। इसके अलावा उन्होंने इंटरनेट का भी सहारा लेती थी। निष्ठा ने इस उपलब्धि का पूरा श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। निष्ठा ने बताया कि उनके माता-पिता पढ़ाई के समय किसी प्रकार से परेशान नहीं करते थे निष्ठा यह भी बताती है कि आज तक किसी भी प्रकार की कोचिंग नहीं की है। साथ ही उनके पिता इंग्लिश एवं मैथ्स सब्जेक्ट के प्रिंसिपल भी है। उनके पिता शिव शंकर पांडे का सपना है कि उनकी बेटी सिविल सेवा में जाए और लोगों को सेवाएं दें।

कायस्थ समाज ने किया नित्या का सम्मान

मण्डला। सीबीएसई बारहवीं में जिले में अव्वल स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा नित्या श्रीवास्तव का कायस्था समाज के पदाधिकारी व सदस्यों ने सम्मान किया है। छात्रा को भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। मंगलवार को सुबह समाज के पदाधिकारी व सदस्यों ने देवदरा स्थित नित्या के घर पहुंचकर माता-पिता व नित्या को सम्मानित किया। इस दौरान प्रदीप श्रीवास्तव योगेश श्रीवास्तव राजेश खरे सत्येन्द्र श्रीवास्तव कपिल वर्मा राजीव वर्मा समेत समाज के अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने नित्या को भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया।

दैनिक वेतनभोगी के खातों में कैसें जमा होते रहे लाखों रूपये

अधिकारियों को क्यों बचाया जा रहा

*** परिषद करेगी सीएमओ की शिकायत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासकीय पैसा यदि शासन से किसी संस्था को विकास कार्यो के लिये या फिर हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित दिया जा रहा है तो उसका हिसाब-किताब तो होता होगा ऐसा तो नहीं कि सरकार ने संस्था को पैसे दिये और पैसे किसी व्यक्तिगत खाते में जमा होते रहे और किसी को कानो-कान भनक भी नहीं लगी ऐसा कोई 2-4 दिन या हफ्ते भर हुआ हो तो भी नहीं यह सिलसिला विगत कई वर्षो से जारी रहा और लाखों-करोड़ों की राशि व्यक्तिगत खातों में जमा होती रही और बंदर-बांट की जाती रही। अब जब मामले का खुलासा हुआ है तो सिर्फ एक दैनिक वेतनभोगी और एक नियमित वेतनभोगी के विरूद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर अपना पल्ला झाड़ लिया जा रहा है।

किसी भी संस्था का कोई दैनिक वेतनभोगी क्या इतना प्रभावशाली हो सकता है कि पिछले 04 वर्षो से उसने अपने व्यक्तिगत खातों में लगभग 92 लाख रूपये जमा करा लिये हों और उसके ऊपर जो अधिकारी हैं वे मासूम बने बैठे रहे।

लगभग 1 करोड़ की राशि अपने खाते में अंतरित की
नगर परिषद में लाखों का घोटाला

डिजीटल युग के इस जमाने में यदि प्रदेश सरकार नगर परिषद को कोई भी राशि देती है तो उसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों से लेकर नगर परिषद के अधिकारियों को भी ई-मेल के माध्यम से दी जाती है। राशि कहां खर्च करनी है कैसें खर्च करनी है इसका भी पूर्णरूप से उल्लेख होता है और राशि क्या ईमानदारी से खर्च हो रही है इसे देखने वाला भी तय किया जाता है। नगर परिषद में निर्वाचित कमेटी है उसे भी जानकारी होती है नगर परिषद के ऊपर अनुविभागीय दण्डाधिकारी होते हैं जिन्हें भी विकास कार्यो एवं आवंटित राशि की जानकारी दी जाती है इन सबके बावजूद यदि एक अदना सा कर्मचारी शासन की लाखों की राशि अपने खाते में जमा कर लेता है तो फिर इसका जिम्मेदार कौन?

क्या करते रहे सीएमओ

आज आप किसी भी नगरपालिका या नगर परिषद में चले जाइये कोई भी छोटा-बड़ा काम जो आपको कराना होगा उसके लिये परिषद के अधिकारी-कर्मचारी आपको एक ही जबाव देंगे कि सीएमओ साहब से पूछ लीजिये कहने का आशय कि वर्तमान में बिना सीएमओ की सहमति के किसी भी नगरपालिका या नगर परिषद में पत्ता भी नही हिलता।

भुगतान की प्रक्रिया जो है वह डिजीटल और नोटशीट दोनों के माध्यम से निभाई जाती है ऑनलाईन जो लेन-देन होते हैं उन्हें पूर्ण करने के पूर्व ओटीपी का प्रावधान होता है जो मुख्य नगरपालिका अधिकारी के फोन पर ही आती है और इसके बाद भुगतान संभव हो पाता है यानि परिषद से किसको और कितना भुगतान हुआ इसकी जानकारी जाने-अनजाने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को तो होती ही है जो पैसा परिषद में आ रहा है या परिषद से भुगतान किया जा रहा है वह संभव ही नहीं कि सीएमओ की जानकारी में न हो अब यह बात दूसरी है कि सीएमओ आंख बंद किये बैठे हों या फिर अनजान होने का बहाना बता रहे हों।

पिता को पुण्य मिले इसलिये करा रहे भोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नर्मदा परिक्रमावासियों के नर्मदा पथ क्षेत्र से गुजरने पर श्रद्धालु इन्हें सदाव्रत जरूर देते है। जिले के विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम उदयपुर के एक ऐसे ही युवा भक्त राहुल धनगर ने अपने पिता से प्रेरणा लेकर परिक्रमावासियों की सेवा करने की ठानी है। मंडला जबलपुर मार्ग स्थित उदयपुर क्षेत्र से गुजरने वाले हर परिक्रमावासियों की राहुल सेवाभाव से सेवा करते है। राहुल का कहना है कि वह अपने पिता के लिए यह सब कुछ कर रहे है। जिससे उनके पिता को इसका पुण्य लाभ मिल सके।

बताया गया कि नर्मदा परिक्रमा कर रहे साधू संतों की परिक्रमा की सफलता के पीछे उनकी इच्छा शक्ति और मां नर्मदा का आशीर्वाद तो होता ही है, इसके साथ ही परिक्रमावासियों को सेवायें दे रहे अनेक आश्रम, संस्था और नर्मदा भक्त भी हैं, जिनके सहयोग और सेवाभाव के कारण ही ये परिक्रमावासी दोगुने उत्साह से नर्मदा की परिक्रमा करते हैं। जिस ग्राम में कभी परिक्रमावासियों के लिये जलपान भोजन व विश्राम आदि की व्यवस्था नाकाफी हुआ करतीं थीं, वहीं अब मंडला जबलपुर मार्ग में कई स्थानों पर सदाव्रत संचालित है। उदयपुर निवासी राहुल धनगर अपने पिता से प्रेरणा लेकर अपने ही घर में नर्मदा परिक्रमावासियों को चाय, नाश्ता और भोजन उपलब्ध करा रहे है।

युवा राहुल धनगर विगत एक वर्ष से मां नर्मदा की परिक्रमर की रहे परिक्रमवासियों की सेवा कर रहे है। युवा द्वारा नर्मदा परीक्रमा वासियो को खाना, चाय, नाश्ता एवं पानी उपलब्ध करा रहे है। परिक्रमावासियों की सेवा करने की प्रेरणा राहुल को उनके स्वर्गीय पिता से मिली है। अपने पिता को पुण्य लाभ देने और उनकी आत्मा की शांति के लिए राहुल और उसका परिवार परिक्रमावासियों की सेवा में लगे हुए है। राहुल का कहना है कि उन्हें इस काम में बहुत ख़ुशी मिलती है।

परिक्रमावासियों को धूम्रपान से दूर रहने दे रहे समझाईश

राहुल ने बताया कि इस समस्या से उभरने के बारे में जब मैंने सोचा तो उसके मन में आया की परिक्रमावासियों के पास जो पुस्तिका या गाइड होती है, जिसमें परिक्रमा से संबंधित स्थान की जानकारी होती है। पुस्तिका के प्रकाशन के समय ऐसे सुविचार लिखे जाएं। जिससे परिक्रमावासी प्रभावित हो और अपने को आदर्श समझते हुए स्वयं धूम्रपान से मुक्त हो पाए। इसके साथ ही जिस आश्रम में नर्मदा परिक्रमावासी की सेवा की जाती है। वहां भी विभिन्न तरह के सुविचार लिखे जाएं जिससे हमारी युवा पीढ़ी के आदर्श धूम्रपान से मुक्त हो पाए। राहुल के गृह निवास पर रूकने वाले हर परिक्रमावासियों को वह धूम्रपान से दूर रहकर माँ नर्मदा की परिक्रमा करने की बात कहते है और परिक्रमावासी भी इस युवा के संकल्प और सेवा भाव देखकर धूम्रपान को छोडऩे की बात कह कर अपने परिक्रमा पथ मार्ग पर आगे निकल जाते है।

भव्य परमार ने हासिल की शानदार सफलता

मण्डला। सीबीएससी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में भव्य परमार ने शानदार अंक प्राप्त कर अपने परिवार एवं परिजनों का मान बढ़ाया है महर्षि विद्या मंदिर में अध्ययनरत भव्य परमार ने 10वीं की वार्षिक परीक्षा में ए-1 रैंक लाकर सभी को गौरान्वित किया है भव्य परमार महाराजपुर निवासी योगेन परमार एवं रेनुका परमार के बेटे हैं इनकी इस सफलता पर सभी परिजनों एवं स्थानीयजनों ने उन्हें भविष्य को लेकर शुभकामनायें प्रेषित की है।

चुटका परमाणु विद्युत परियोजना संबंधी बैठक संपन्न

मण्डला। चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के संबंध में आयोजित बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि संबंधित विभाग समन्वय से कार्य करते हुए परियोजना के कार्यों को गति प्रदान करें। अधिग्रहित भूमि के मुआवजा राशि वितरण से संबंधित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करें। आवश्यकतानुसार वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजें। उन्होंने एसडीएम निवास को निर्देशित किया कि अधिग्रहित भूमि के सीमांकन की कार्यवाही पूर्ण कर संबंधित एजेंसी को भौतिक कब्जा प्रदान करें। कलेक्टर ने एनपीसीआईएल के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना के कार्यों के लिए केलेंडर बनाकर प्रस्तुत करें तथा किए जाने वाले कार्यों की पूर्व सूचना प्रदान करें। बैठक में नारायणगंज स्कूल भवन निर्माण, टिकरिया से चुटका सड़क निर्माण, बिजली, स्वास्थ्य, पेयजल आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह, एसडीएम निवास शाहिद खान, एसडीएम मंडला जेपी यादव, एनपीसीआईएल के अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

अग्नि दुर्घटना में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके

*** पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का दिया आश्वासन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्य प्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री मंडला विधायक श्रीमती संपतिया उइके महाराजपुर दादा धनीराम वार्ड में विगत दिनों हुई अग्नि दुर्घटना से पीड़ित राजेंद्र राय मनीष राय के परिवार से मुलाकात करने पहुंची, इस अवसर पर पीड़ित परिवार की समस्या को सुनकर भरोसा दिलाया कि सरकार द्वारा हर संभव मदद निकट समय में आपको मिलेगी उन्होंने अग्नि दुर्घटना में क्षति ग्रस्त मकान में हुए नुकसान का जायजा लिया एवं परिवार के सभी सदस्यों से चर्चा कर प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि अग्नि दुर्घटना में पीड़ित परिवार के पास कुछ भी नहीं बचा,सभी प्रकार के सरकारी दस्तावेज, अंकसूची अन्य महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट भी जलकर राख हो गए हैं, पीड़ित परिवार को मानवीय आधार पर शासकीय नियम के आधार पर यथाशीघ्र पूरी मदद की जाए।अग्नि दुर्घटना से प्रभावित परिवार को समाज सेवी, वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष नितिन राय, सत्य साईं सेवा समिति के डॉक्टर श्री हर्ष कर्महे, जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने सहायता राशि प्रदान की।इस अवसर पर पार्षद श्रीमती प्रतिभा साहू, रामजी गायक सामाजिक कार्यकर्ता अकील खान उपस्थित थे।

अनदेखी | सुरक्षा के मानकों की क्यों नहीं होती चिंता।

नगर के कितने होर्डिंग्स हैं अवैध

*** होर्डिंग्स के माध्यम से कितना मिल रहा राजस्व।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

आज का समय विज्ञापन का युग माना जाता है कोई भी छोटी-बड़ी चीज हो जिसके प्रचार-प्रसार के लिये फ्लैक्स एवं होर्डिंग्स एक बड़ा जरिया है नगर के व्यस्ततम चौराहों में आप जिस ओर नजर उठाकर देखेंगे आपको इस तरह के होर्डिंग्स नजर आ जायेंगे अब ये कितने सुरक्षित हैं यह बताने वाला कोई नहीं नियम तो बहुत से हैं लेकिन पालन कब और कैसें हो और पालन कराये तो कौन?

चौराहों के आसपास आकर्षक फ्लैक्स लगाना भी दुर्घटना को आमंत्रण देना है सड़क सुरक्षा मानको के अनुसार सड़क किनारे यदि कोई आकर्षक विज्ञापन का होर्डिंग्स लगा है तो जाने-अनजाने वाहन चालक की नजर उस ओर चली ही जाती है और इस तरह की अनदेखी दुर्घटना का कारण बनती है। लिहाजा सड़क किनारे इस तह के होर्डिंग्स नहीं लगाये जा सकते। इसके अलावा जो होर्डिंग्स लगाये गये हैं वे कितने मजबूत हैं क्या किसी तरह के प्रतिकूल मौसम में आंधी-तूफान में उनके गिरने का अनदेशा तो नहीं है या इन होर्डिंग्स से किसी को प्रत्यक्ष रूप से कोई नुकसान पहुंचने की आशंका तो नहीं है इन सब मानकों को दृष्टिगत रखते हुये ही किसी भी होर्डिंग्स कहीं लगाने की अनुमति दी जाती है।

नगर में लगभग सैकड़ों की संख्या में छोटे-बड़े होर्डिंग्स स्थापित हैं कोई सड़क किनारे खड़े हैं तो कोई दीवारों में स्थापित किये गये हैं कुछ होर्डिंग्स ऐसे भी हैं जो बड़े भवनों की छतों में लगाये गये हैं। इन होर्डिंग्स को स्थापित करने में किन सुरक्षा मानको का ध्यान रखा गया है यह बताने वाला भी कोई जबावदार सामने नहीं। हर जगह ऐसा दिखाई देता है कि स्थान की सहूलियत के अनुसार बड़े से बड़ा होर्डिंग्स लगाने का इंतजाम कर दिया गया है। इन होर्डिंग्स से किसकी कमाई हो रही है शासन को इन होर्डिंग्स से कितना राजस्व प्राप्त होता है शहर में लगी हुई ये होर्डिंग्स किस किसके अधिकार क्षेत्र में आती है या फिर इनका मालिक कौन है यह कहीं भी सार्वजनिक नहीं है।

जबकि होना यह चाहिये कि जो भी होर्डिंग्स जहां भी स्थापित है उस होर्डिंग्स में उसके मालिक का नाम अनुमति देने वाली संस्था का नाम उक्त होर्डिंग्स कब तक की अवधि के लिये के वैध है और होर्डिंग्स के माध्यम से यदि कोई व्यक्ति या एजेंसी अपना विज्ञापन कराना चाहे तो उसकी दर क्या है ये सभी चीजें होर्डिंग्स में सार्वजनिक की जानी चाहिये।

कल आर्थिक नगरी मुम्बई में आंधी-तूफान के चलते एक भारी-भरकम होर्डिंग्स क्षतिग्रस्त होकर नीचे खड़े लोगों पर जा गिरा और इस दुर्घटना में असमय ही लोग काल का शिकार हो गये अब इनकी मौत का जिम्मेदार कौन? यदि ऐसी स्थिति हमारे नगर में भी बनती है तो फिर जिम्मेदारी किसके माथे। यातायात प्रभारी ने तुरंत ही नगर परिषद के बैठक कर इस दिशा में पूर्ण जानकारी लेकर आवश्यक कदम उठाने की बात कही है।

मतगणना को निर्विघ्न एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने नोडल अधिकारी नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के तहत 4 जून को होनी वाली मतगणना को निर्विघ्न एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना द्वारा विभिन्न कार्यों के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुये अधिकारियों के मध्य कार्य का विभाजन किया गया है।

इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार मतगणना दल गठन एवं मतगणना दलों के लिये आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था के लिये सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट एवं संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मतगणना स्थल एवं मतगणना दलों की समस्त तैयारियों के लिये अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, मतगणना सामग्री के लिये अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह एवं संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, सम्पूर्ण मतगणना स्थल पर कानून व्यवस्था के लिये पुलिस अधीक्षक मंडला तथा अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, परिचय पत्र के लिये संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन एवं संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, एनकोर एप्लीकेशन के लिए अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह तथा संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मीडिया रूम, कम्प्यूनिकेशन एवं उद्घोषणा के लिए सहायक संचालक जनसम्पर्क अनादि वर्मा, सहायक संचालक महिला बाल विकास विभाग रोहित बड़कुल एवं प्राचार्य हाई स्कूल बिंझिया मुकेश पाण्डेय, पोस्टल बैलेट के लिए सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट तथा संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। स्ट्रॉंग रूम मैनेजमेंट एवं मतगणना के लिए अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे एवं संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तथा जिला कोषालय अधिकारी अखिलेश नेटी, सीलिंग के लिए संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन एवं संबंधित सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, ईव्हीएम मैनेजमेंट के लिए संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, जानकारियों के संकलन एवं प्रेषण के लिए संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। मतगणनाकर्मियों हेतु वेलफेयर मैनेजमेंट के लिए सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, वीडियोग्राफी एवं सीसीटीव्ही कार्य के लिए एसडीएम सोनल सिडाम, विद्युत व्यवस्था के लिए कार्यपालन यंत्री म.प्र.वि. मंडल शरद बिसेन तथा चिकित्सा व्यवस्था के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मण्डला को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

खबर संक्षेप

सालीचौका में आयोजित हुई टीकाकरण कार्यशाला

सालीचौका। राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण कार्य योजना को सफल बनाने के लिये बीते हुये दिवस जिला कलेक्टर श्रीमति शीतला पटले के मार्ग दर्शन में मंगलवार को मुख्य चिकित्ससा एवं स्वा अधिकारी डा राकेश बोहरे की अध्यक्षता में राष्ट्रीय नियमित टीकाकरण कार्य योजना 2024 के निर्माण हेतु कार्यशाला का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालीचौका में किया गया। बताया जाता है कि इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा राकेश बोहरे द्वारा लक्ष्य अनुरूप परिवार नियोजन साधनों एवं समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शत प्रतिशत उपलब्धि हेतु निर्देशित किया गया। वही कार्यशाला में कार्य योजना निर्माण हेतु डब्लू एच ओ, एस एम ओ, डा अखिलेश पटैल और जिला टिकाकरण अधिकारी डा सुनील पटैल के आलवा डा अनिल पटैल मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालीचौका सहित मैदानी अधिकारी कर्मचारी एवं डी सी एम मुकेश रघुवंशी, बी सी सी एवं पंकज वर्मा, द्वारा टीकाकरण कार्य योजना को सुदृढ बनाने के लिये अनेक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वही इस कार्यशाला बैठक में डा अनिल पटैल मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा समस्त मैदानी अधिकारी व कर्मचारियों को लक्ष्य अनुरूप शत प्रतिशत कार्य करने के लिये निर्देश दिये गये।

आये दिन चीचली मार्ग रेल्वे गेट पर बन रही जाम की स्थिति आमजन हो रहे परेशान

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि चीचली ओर जाने वाले मार्ग पर नगर के रेल्वे स्टेशन के समीप बना हुआ गेट नगरवासियों को लगातार परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है। यह बात अलग है कि आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुये यहां पर ओवर ब्रज का निर्माण तो किया जा रहा है, मगर उसकी धीमी गति के चलते अनुमान लग रहा है कि शायद यह ब्रज शायद ही पांच साल के पहले निर्मित हो पाये यह संभव नही हो सकता है? इस स्थिति में देखा जा रहा है कि एनटीपीसी के लिये लगातार आने वाले कोयला के चलते यहां पर ट्रेनों को आगे पीछे किये जाने के चलते दिन में अनेकों बार कई घंटों तक रेल्वे गेट बंद रहने से जाम की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पा रही है, कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को उस समय देखने मिली जब लगभग दो घंटे तक रेलवे गेट बंद रहने के कारण गेट के दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईने लगी हुई देखी गई और लोग चीचली की ओर जाने व वहां से आने के लिये परेशान होते हुये देखे गये।

चीचली थाना क्षेत्र के अनेक गांवों में बिक रहे है मादक पदार्थ?

चीचली। नशे के सौदागरों नें गांव गांव अपना जाल बिछा रखा है, युवा पीढ़ी नशे कें गिरफ्त में जकड़ती जा रही है, इस ओर प्रशासन की नजर नही जा पा रही है, बताया जाता है कि चीचली थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में प्रति माह लाखों रूपयें कें अवैध गांजा की बिक्री हो रही है? सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार यहां की पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता से क्षेत्र में मादक पदार्थो का खुलेआम अवैध धंधा चल रहा है, गांजा बिक्री का यह हाल है कि क्षेत्र कें अनेक गांव में सुलभता से मिल सकता है,अंचल के अनेक गांवों में अवैध कच्ची महुआ की शराब व गांजा का कारोबार जमकर फल फूल रहा है। कुछ स्थानों पर तो लम्बे अर्से से अवैध कारोंबार चल रहा है। इस गोरख धंधे में युवक महिलाओं के साथ ही छोटे बच्चें भी अब शामिल देखें जा रहे है। इन मादक पदार्थो का कारोबार बढनें से कई युवाओं की जिंदगी नशें के चपेट में आ चुकी है,मगर जो बात कही जाती है कि इस क्षेत्र में पदस्थ होने के लिए वर्दीधारी उच्चस्तर से जोर लगाते है कि उन्हें क्षेत्र की बागडोर मिल जावे यदि उनके जिम्मे यह क्षेत्र हो जाता है।

कृषक की जमीन का कूटरचित विक्रय होने के साथ हो गई रजिस्ट्री

खसरे की नकल निकलवाई तो पता चला की उसकी जमीन तो किसी और की हो चुकी है...

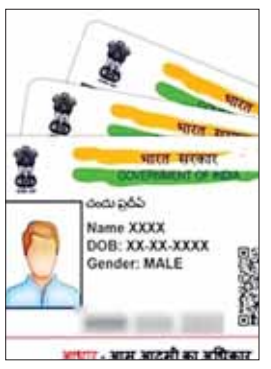

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा आमजन के साथ धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिये शासकीय कार्यालयों को पूर्णरूप से डिजिटल प्रणाली से जोड़ते हुये सरकारी कामों में पारदर्शिता लाने के दावे करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। मगर वही दूसरी ओर सरकारी कार्यालयों में किस तरह के गुल खिलाये जा रहे है। इस बात की सच्चाई की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर भूमि स्वामी अपने घर बैठा रहता है और उसकी भूमि का विक्रय होने के साथ साथ पंजियन कार्यालयों में बैनामा लिखा जाता है? इस सच्चाई के चलते जहां भूमि स्वामी अपनी जमीन को लेकर चिंता में देखे जा रहे है तो दूसरी ओर शासन प्रशासन तंत्र में बैठे हुये जिम्मेदारों की भूमिका सबालों के घेरे में आने से नही चूक पा रही है? इस तरह गाडरवारा तहसील क्षेत्र में घटित हुई फर्जी तौर से जमीन विक्रय व फर्जी रजिस्ट्री का मामला जहां इस समय संपूर्ण जिले में चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अनेक अधिकारियों व कर्मचारियों की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? बताया जाता है कि बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम झांझनखेड़ा निवासी प्रहलाद पिता नारायण सिंह कौरव उम्र 82 वर्ष 82 वर्ष द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को दिये गये शिकायती आवेदन पत्र में पंजीयक कार्यालय द्वारा फर्जी तरीको से जमीन की रजिस्ट्री किये जाने का आरोप लगाते हुये उल्लेखित किया गया है। मै ग्राम झांझनखेड़ा तहसील गाडरवारा का निवासी होने के साथ मेरी ग्राम झांझनखेडा प.ह.नं. 96, नं.ब. 178 स्थित खसरा नंबर 149/1 रकवा 1.771 हे. ख.नं. 149/2 रकवा 0.761 हे., ख.नं. 149/2 रकवा 1.000 हे. कुल मिलाकर 3.522 हे भूमि है। मेरे द्वारा जब बीते हुये 3 मई 2024 को अपने खसरे की नकल निकलवाई गई तो मैने देखा गया कि मेरी शेष भूमि ख.न. 149/3 रकवा 1.000 हे मे से रकवा 0.972 हे भूमि पर सरोज बाई कौरव पत्नि दयाचंद कौरव का नाम दर्ज आ रह है। खसरा का अवलोकन करने पर पाया कि मेरी भूमि के विक्रय पत्र के आधार पर सरोजबाई का नाम दर्ज हुआ है। मैंने सरोजबाई को कोई भूमि नहीं बेची और न ही उसके पक्ष में रजिस्ट्री शुदा बैनामा निष्पादित किया। सरोजबाई ने दस्तावेज पंजीयन क्र. एमपी 268132024 ए 1428627 पंजीयन दि. 31/03/2024 द्वारा भूमि क्रय बताया है। इस बैनामे में मेरे स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति की विक्रेता के रूप में फोटो लगी है। इसके अलावा रजिस्ट्रीशुदा बैनामा में ऋण पुस्तिका कमांक एल/एन ए- 180006505 का उल्लेख है। जबकि मेरे पास मूल ऋण पुस्तिका क्र. एल/सी-737964 है। आवेदक का आरोप है कि इस प्रकार बैनामा वर्णित ऋण पुस्तिका भी फर्जी व कूटरचित तरीके से बनाई गई है। बैनामा में विक्रेता के रूप मे अंगूठा निशानी लगी है। जिसको लेकर टीप दर्ज की गई है कि वर्तमान यानि की रजिस्ट्री दिवस पर मेरे दाये हाथ में मोच है इसलिये हस्ताक्षर करने में असमर्थ हूं, इसी के चलते में बाये हाथ का अंगूठा लगा रहा हूं। यह टीप व कथन पूर्ण रूप से फर्जी व कूटरिचत है। क्योंकि मेरे बांये हाथ में कोई भी मोच नह है और आज भी मैं हस्ताक्षर कर लेता हूं। पीड़ित ने सरोज बाई कौरव एवं राजेश साहू आ. रोशनलाल साहू निवासी राजीव वार्ड गाडरवारा, निधि कौरव पत्नि श्रीकांत कौरव निवासी बरेली तहसील गाडरवारा, देवेन्द्र पटैल वल्द डब्बू लाल पटैल साकिन जोगा एवं अमित खेमरिया आ. रामकेशव खेमरिया निवासी इमलिया तहसील करेली, शशि कांत कौरव आ. दयाचंद कौरव निवासी झांझनखेडा हाल निवास आनंद बिहार कालोनी गाडरवारा तथा दस्तावेज लेखक अविनाश साहू एवं उप पंजीयक महेश पंवार पर अपनी शिकायत में आरोपित किया है कि इन लोगों ने ने मिलकर योजना बद्ध तरीके से षडयंत्र कर मेरी जमीन अवैध तरीके से हड़पने के उद्देश्य से रजि.शुदा बैनामा 31 मार्च 2024 को कूटरचित व फर्जी बनाया, मेरे साथ धोखाधड़ी की गई, तथा सभी ने मिलकर मेरे साथ छलकपट किया है। वहीं विक्रेता के रूप में अज्ञात व्यक्ति जिसकी फोटो बैनामा मे लगी हुई है उस व्यक्ति को खोजकर उसके विरूद्ध भी मामला पंजीबद्ध किया जाए। क्योकि उसने भी अपने आपको यह जानते हुए कि वह प्रहलाद कौरव नहीं है उसके बाबजूद प्रहलाद सिंह कौरव बनाकर बैनामा निष्पादित किया है। शिकायत कर्ता का आरोप है कि इस तरह फर्जी तरीके से हुई मेरी जमीन की लिखा पढ़ी गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय में न होकर नरसिंहपुर में किया गया है। जबकि 31 मार्च 2024 को गाडरवारा उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन का कार्य सुचारू रूप से संचालित हुये है। इसके बाद भी गाडरवारा की जगह नरसिंहपुर में रजिस्ट्री होना अपने आप ही इन लोगों के फर्जीवाडा का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर इस फर्जी बैनामा रजिस्ट्री में शामिल गवाह व सरोज बाई आपस में माँ व पुत्री होने के साथ मुझे अच्छे तरीकें से जानती व पहचानती है? शिकायत कर्ता द्वारा इन लोगों के खिलाफ जिला पुलिस अधीक्षक से सख्त कार्यवाही करने की मांग की गई है। वही दूसरी ओर इस संबंध में उप पंजीयक महेश पावर से पत्रकारों द्वारा चर्चा की गई तो उनका कहना है कि हमारे द्वारा रजिस्ट्री नियमानुसार की गई, यदि फर्जी पाई जाती है तो नियम के अनुसार कार्यवाही करेगे। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब किसी की जमीन का क्रय विक्रय होने के बाद जब उसका बैनामा के रूप में रजिस्ट्री की जाती है तो उसमें अनेक प्रकार के छोटे बडे अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कागजों की जांच करते हुये अपने हस्ताक्षर व सील ठप्पा लगाये जाते है। वही पंजीयन कार्यालय में भी क्रेता विक्रेता के आधार कार्डो सहित अन्य दस्तावेजों की जिम्मेदार अधिकारी द्वारा बारीकी से जांच की जाती है जब कई रजिस्ट्री का कार्य संपादित किया जाता है। इस तरह की जांचों के बाद भी इस तरह से फर्जी रजिस्ट्री हो जाना निश्चित तौर से अधिकारियों व कर्मचारियों की मिली भगत के सपन्न होना तो संभव माना ही नही जा सकता है? इस तरह गाडरवारा तहसील क्षेत्र में फर्जी तरीके से हुई रजिस्ट्री का मामला पंजीयन कार्यालय के अधिकारियों के साथ साथ राजस्व विभाग में बैठे हुये अधिकारियों को भी कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस मामले की यदि निष्ठा के साथ जांच हुई तो छोटे कर्मचारी से लेकर बडे अधिकारियों की भूमिका की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी..? वही दूसरी ओर प्रार्थी द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक को की गई शिकायत को लेकर उन्होंने आवेदन के माध्यम से जांच कराते हुये दोषी पाये जाने पर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही का भरोसा दिया गया है। वही दूसरी ओर इस संबंध में आवेदक का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में जिस तरह अंधेर गर्दी मची हुई है उसके चलते अब हालत यह बन चुके है कि जिम्मेदार पदों पर बैठे हुये अधिकारी कर्मचारी पैसा के बल पर कुछ भी करने से पीछे नही हट रहे है। हालत यह बन चुके है कि ईमानदारी की गारंटी के दौर में चारों ओर पैसा का बोल बाला दिखाई दे रहा है। यदि लोग पैसा खर्च करता है तो बगैर विक्रय हुये हुये किसी की जमीन किसी के भी नाम होना आम बात बनने से नही चूक रही है? वह तो अच्छा हुआ कि मैने समय रहते हुये जमीन के कागज देख लिये। सबाल यह पैदा हो रहा है कि अनेक किसान इस तरह से होते है जो कम पढ़े लिखे होने के साथ अपनी जमीन को लेकर निंचित रहते है। इस तरह की अंधेर गर्दी के बीच क्या उनकी जमीने सुरक्षित रहने की उम्मीद की जा सकती है...?

मुख्य मार्ग किनारे बिक रहे मांस मछली के चलते आम लोगों को हो रही परेशानी, प्रशासन बना अनजान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से इस समय दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में मुख्य मार्ग पर लगने वाले बाजार के चलते आम लोगों की जिन्दगी खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है? वही दूसरी ओर बाजार में फैली हुई अव्यवस्थाओं को लेकर भी आम लोगों को परेशान होने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के मुख्य मार्ग पर जिस प्रकार से खुलेआम मांस व मछली का विक्रय होते हुए देखा जा रहा है उसके चलते आम लोगों परेशान होने के साथ साथ उनकी धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुंचते हुए देखी जा रही है, मगर इस सबके बाद भी जहां नपा प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। वही दूसरी ओर पुलिस प्रशासन द्वारा भी इस ओर ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि मुख्य मार्ग पर इस प्रकार से बिकने वाले मांस व मछली के चलते आमजन का मार्ग से निकलना मुश्किल होते हुए दिखाई दे रहा है? इस संबंध में बताया जाता है कि नगर के प्रमुख माने जाने वाले चौराहे पर इस प्रकार से लग रहे मांस व मछली बाजार के चलते इस मार्ग से खेरापति मंदिर को जाने वाले भक्तो सहित स्कूलों के लिए आने जाने छात्र छात्राओं द्वारा इस प्रकार से खुले में रखें हुए मांस व मछली को देखते है तो उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंच रही है, वही दूसरी ओर आम लोगों भी इस दृश्य को देखकर परेशान होने से नही चूक रहे है? जबकि बताया जाता है कि मांस बेचने के लिए अलग दुकानों का निर्माण कराते हुए जगह निर्धारित की गई है, मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते इस प्रकार से मांस व मछली बेचने वालों के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है की उनके द्वारा मुख्य मार्ग सहित तालाब के किनारे खुले मैदान में रखते हुए अपनी सामग्री का विक्रय करते हुए देखे जा रहे है, इसके चलते आमजन द्वारा खुले में बिक रहे मांस व मछली पर रोक लगाने की मांग की गई है।

डिजीटल इंडिया बनाने के सपने को कहां तक मिल पायेगी सफलता, धान का कटोरा कहे जाने वाले सालीचौका क्षेत्र में आये दिन लेनदेन के लिए भटकते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जिस प्रकार से सालीचौका क्षेत्र का विकास हो रहा है उसे देखते हुए क्षेत्र के लोग अनेक जरूरी सुविधाओं के आभाव में परेशान होते हुए देखे जा रहे है, क्षेत्रवासियों की परेशानियों को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद इस ओर क्षेत्र के नेताओं द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान न देना निश्चित ही चिंता जनक बात साबित होने से नही चूक रहे है? वही दूसरी ओर यदि सालीचौका क्षेत्र की विकास गति पर गौर किया जावे तो जहां कृषि के क्षेत्र में सालीचौका को धान का कटोरा कहा जाता है। वही क्षेत्र में दो बड़ी बडी राईस मिलों के साथ साथ बड़ी बड़ी दो शुगर मिले भी संचालित हो रही है, वही व्यापक स्तर पर अनाज का व्यापार करने वाली व्यारियों के आलवा यहां पर उप पुलिस चौकी, शासकीय चिकित्सालय केन्द्र व बिजली आफिस तथा हायर सेकेण्डरी स्कूलों के आलवा देखा जावे तो सालीचौका क्षेत्र से आस पास के अनेक गांव जुडे हुये है जो सालीचौका की व्यवस्थाओं पर आधारित रहते है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में किसी बड़ी बैक की स्थापना न होना आम लोगों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण साबित होते हुए देखा जा रहा है, एक ओर जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत देश को संपूर्ण विश्व में अलग दर्जा प्रदान करने की सोच रखते हुए डिजीटल बनाने की सोच रखते हुए संपूर्ण लेनदेन केश लेंस करने में लगे हुये है जिसके चलते लोगों के खाते बैकों में खुलबाने से हर लेने देन के कार्य को बैकों में माध्यम से कराना चाहते है। वही दूसरी ओर शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए भी हितग्राहियों के खातों में पैसा डालते हुए बैकों में माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। मगर इसके बाद भी सालीचौका में मात्र एक बैक के भरोसे क्या डिजीटल इंडिया होने का सपना पूरा हो पायेगा यह सिर्फ सोचने वाली बात ही नही बल्कि चिंता जनक सच्चाई है? इस प्रकार से देखा जावे तो यहां पर स्थित मात्र एक यूकौ बैक की ब्रांच होने के कारण लोगों का लेनदेन के लिए दिन भर भीड़ लगी हुई देखी जाती है। वही दूसरी ओर दूसरे गांवों से आने वाले लोग बैक के कार्यो के चलते दिन दिन भर बैक के सामने बैठे हुए दिखाई देते है, जिसमें इस समय केन्द्र सरकार द्वारा संचालित किये जाने वाले प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य प्रकार की योजनाओं के तहत हितग्राहियों की राशि भी बैक के खातों में आने के कारण नगर की एक मात्र बैक ब्रांच में हितग्राहियों का अपनी राशि निकालने के लिए मेला लगते हुए दिखाई दे रहा है। कहने के लिए तो यहां पर एटीएम की स्थापना की गई है मगर एटीएम की सच्चाई इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि आये दिन एटीएम के रूपयों की कमी या फिर अन्य गड़बड़ी के चलते एटीएम मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है? इस प्रकार अनेक समस्याओं से जूझ रहे सालीचौका क्षेत्र में आम लोगों की परेशानियों से निजात दिलाने के लिए न तो आज तक किसी बडे नेता द्वारा आवाज उठाई गई है और न ही उन छुटभेया नेताओं द्वारा उन परेशानी लोगों की समस्याओं पर ध्यान दिया जा रहा है जो आये दिन अपने आप को प्रभावशाली बताने के साथ समस्याओं से निजात दिलाने का भरोसा दिलाते हुए अपने कुर्ता की सफेदी का रौब दिखाने में कोई कसर नही छोड़ते है? जबकि सालीचौका क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए सालीचौका में कम से कम चार पांच बैकों की स्थापना महसूस किये जाने लगी है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो सालीचौका में स्थापित इस बैक की क्षमता को ध्यान में रखते हुए अनेक व्यापारियों द्वारा मजबूरी बस अपना लेनदेने भारतीय स्टेट बैक के माध्यम से करते हुए देखा जाता है। इस स्थिति में अनेकों बार देखा गया है कि जब लोग अपना नगदी जमा करने या फिर गाडरवारा से नगदी लेकर यहां आते है तो लूट जैसी घटना घटित हो चुकी है, जिसके चलते सालीचौका से बाहर की बैकों में लेनदेने किये जाने के कारण लोगों में दहशत देखने मिलती है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी के चलते क्षेत्र के विकास पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर क्षेत्र के लोग परेशानियों से घिरे हुए देखे जा रहे है।

शहर में लगे हुये बिजली खम्बों पर निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डालकर किये जा रहे उपयोग से यदि कोई घटना घटित होती है तो कौन होगा जिम्मेदार?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शहर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों में बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये विद्युत सप्लाई व्यवस्था के खम्बों पर बीते हुये लगभग दो सालों से जिस तरह निजी कंपनी द्वारा अपनी लाईन डाली गई है उसको लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? इस तरह सरकारी बिजली खम्बों पर डाली जाने वाली केबिल में जियों कंपनी का मार्का अंकित होने से यह अनुमान लग रहा है कि शायद निजी कंपनी जियों द्वारा अपने संचार व्यवस्था के लिये इन सरकारी खम्बों का उपयोग किया जा रहा है? मगर बिजली विभाग द्वारा स्थापित किये गये यह खम्बे जहां शासकीय संपत्ति माने जाते है और उनका उपयोग सिर्फ बिद्युत व्यवस्था के लिये उपयोग करना बताया जाता है? मगर इसके बाद भी जिस तरह से निजी कंपनी द्वारा इन खम्बों का उपयोग करने के लिये खम्बों के ऊपर चढ़कर जहां अपनी सामग्री फिट करते हुये उनके ऊपर अपनी केबिल डालने का कार्य किया जा रहा है इससे निश्चित तौर से नगर में विद्युत उपभोक्ताओं के लिये जहां परेशानी का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा तो दूसरी ओर निजी कंपनी द्वारा डाली जाने वाली अपनी केबिल में इतनी ढील दी जा रही है जिसके चलते नगर की कालोनियों व मुहल्लो में जब कोई वाहन प्रवेश करेगा तो वह फंसने से नही बच पायेगा? इस स्थिति में निश्चित तौर से आये दिन बिद्युत सप्लाई व्यवस्था में बांधा पहुंचने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? वैसे भी देखा जावे तो नगर के अंदर लगे हुये बिजली खम्बों की हालत यह बनी है कि वह पहले से ही विद्युत लाईनों के चलते मकड़ी के जाल के समान बने हुये है और उसी के ऊपर से इस नई लाईन के डाले जाने से विकट स्थिति बनने से नही चूक पा रही है तो सबाल यह पैदा हो रहा हे कि यदि किसी दिन कोई घटना घटित होती है तो इसका जिम्मेदार कौन रहेगा..? मगर इसके बाद भी खुलेआम बिजली खम्बों का निजी कंपनी द्वारा उपयोग किये जाने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की चुप्पी निश्चित तौर से अनेक सबाल खड़े करने से नही चूक रही है? कही ऐसा तो नही कि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा लक्ष्मी जी के आर्शीवाद के चलते आपसी समझौता करते हुये इन्हे शासकीय संपत्ति का उपयोग करने के लिये चूपचाप तरीके से अनुमति प्रदान कर दी गई हो? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर इस तरह शासकीय संपत्ति का निजी कंपनी द्वारा उपयोग करने के साथ बिद्युत सप्लाई खम्बों पर डाली जाने वाली यह लाईन नगरवासियों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पायेगी।

बगैर परमिट दौड़ रहे अनेक कंपनियों में किराये से लगे हुये चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आबादी के बढ़ते दबाव के बीच जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं।

खबर संक्षेप

लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

अमरपुर। न्यायालय रिजवाना कौशल प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डिंडौरी के दंड प्रक्रिया क्रमांक 1706ध15 अपराध क्रमांक 225ध15 के आरोपी लखन विश्वकर्मा पिता छोटेलाल विश्वकर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी लखनपुर चैकी अमरपुर का स्थाई वारंट जारी होने से 14 मई को चैकी प्रभारी अमरपुर एएसआई अतुल हरदहा एवं एएसआई साधु सिंह धुर्वे द्वारा स्थाई वारंट तामिल कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

तीन बच्चों की मां हुई लापता

कोतमा। थाना अंतर्गत सुईडांड निवासी 39 वर्षीय संतलाल पनिका ने 14 मई को थाने में शिकायत दर्ज करवाएं की वह काम के सिलसिले में हैदराबाद में रहता है। 14 अप्रैल को वह अपने घर आया था तो बच्चों ने बताया कि मां अपनी मां के यहां पैरीचुआ गांव गई है। तब वह भी 14 अप्रैल को अपनी ससुराल आ गया और उसके बाद कोतमा बाजार सामान लेने चला गया रात्रि 8 बजे जब वापस ससुराल पहुंचा तो उसकी पत्नी घर में नहीं नजर आई तो उसने साली से पूछा कि तुम्हारी बहन सुशीला कहां गई काफी खोजने के बाद जब उसका पता नहीं चला। तब उसने 14 मई को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाया कि उसकी पत्नी सुशीला पनिका पिछले 14 अप्रैल से घर से बिना बताए कहीं चली गई है उसने पुलिस को बताया कि उसके एक लड़का दो लड़की है। शिकायत पर पुलिस ने गुम इंसान का मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया।

76 हज यात्रियों का किया गया टीकाकरण

अनूपपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ए.के. अवधिया ने बताया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉक्टर एम. एस. श्याम के मार्गदर्शन में सोमवार 13 मई 2024 को 76 हज यात्रियों का टीकाकरण सफलतापूर्वक किया गया।

रेलवे ओव्हर ब्रिज निर्माण मे घरेलू गैस सिलेण्डर का कर रहे प्रयोग

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के बीचोबीच निर्माणाधीन रेलवे ओव्हर ब्रिज मे ठेकेदार द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का प्रयोग किया जा रहा है जिसकी मदद से निर्माण कार्यो मे उपयोग किये जा रहे छणों व अन्य सामग्रियों मे उपयोग कर नियमों का धता बताया जा रहा है। जबकि घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग इस तरह के कार्यो के लिए नही किया जा सकता परंतु ठेकेदार द्वारा मनमर्जीपूर्वक शासन के नियमों व लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करते हुये बेरोकटोक घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग कर जीवन खतरे मे डाल रहा है जबकि इस संबंध मे ठेकेदार व उनके मातहतों को समझाइश भी दी जा चुकी है कि इस तरह सार्वजनिक जगहों पर घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग कितना खतरनाक हो सकता है इसलिए प्रयोग बंद करें परंतु ठेकेदार मानने को तैयार नही।

नाबालिग की मानव हत्या मामले में वाटर पार्क मालिक की जमानत निरस्त

अनूपपुर। जिला लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय न्यायालय पंकज जायसवाल, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश अनूपपुर के न्यायालय ने आरोपी रहीस खान की बेल आवेदन क्र. 97/2024 को निरस्त करते हुए उसे जेल भेज दिया। पुलिस प्रतिवेदन एवं प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार अभियुक्त रहीस खान सर रिर्सोट एण्ड फन सिटी अमरकंटक रोड जमुडी सिथत वाटर पार्क का मालिक है। ज्ञात हो कि 11 मई को सर रिर्सोट एण्ड फन सिटी अमरकंटक रोड जमुडी स्थित वाटर पार्क में मृतक शुभम प्रजापति आयु 17 वर्ष की डूबने से मृत्यु हो गई थी। उक्त वाटर पार्क के अंदर प्रवेश हेतु प्रत्येक व्यक्ति से 150 रु टिकट ली जा रही थी। वाटर पार्क में करीब 150 से 200 महिला पुरूष नहा रहे थे।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभिन्न कार्यों का किया निरीक्षण

स्व सहायता समूह से जुड़े महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने कवायद तेज

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज ग्राम पंचायत हिनौता के ग्राम जोगीटिकिरया में वीरांगना समूह द्वारा प्रस्तावित दूध डेयरी उद्योग का निरीक्षण किया। डेयरी इकाई के तहत दुग्ध प्रसंस्करण इकाई भी बनायी जा रही है, इस कार्य को वीरांगना दुर्गावती समूह और अवन्ति स्व-सहायता समूह के द्वारा पूरा किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन कार्यों को समय सीमा के भीतर अच्छे से पूर्ण करें और 30 जून तक इकाई का कार्य प्रारम्भ करें। दुग्ध प्रसंस्करण इकाई के माध्यम से दुग्ध से बने तैयार उत्पाद बनाये जायँगे। कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्राम चैरा रैयत अंतर्गत आरईएस द्वारा बनाये जा रहे निर्माणधीन पुल का निरीक्षण किया। पुल के निर्माण से बारिश के दौरान होने वाली असुविधा से ग्रामीणों को निजात मिलेगी। पुल के द्वारा ग्राम चैरा रैयत मुख्यधारा से जुड़ पाएगा। कलेक्टर मिश्रा ने पुल के निर्माण प्रक्रिया का जायजा लेते हुए अधिकारियों को पुल निर्माण का कार्य को डेढ़ महीने में पूरा करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्राम छिंदगांव में आजीविका शांति स्व सहायता समूह द्वारा संचालित टेंट हाउस का निरीक्षण किया। टेंट हाउस का संचालन शांति समूह की दीदीयों के द्वारा किया जा रहा है,कलेक्टर मिश्रा ने शांति समूह की दीदीयों से चर्चा कर टेंट हाउस के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी ली। शांति समूह द्वारा सुचारु रूप से टेंट हाउस का संचालन किया जा रहा। जिसके लिए कलेक्टर मिश्रा ने समूह के कार्य संचालन की सराहना की। कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्राम फड़की में आजीविका विभाग के तहत शक्ति स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित ग्रीन हाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रीन हाउस की व्यवस्थाओं का

जायजा लिया, संचालित कार्यों की जानकारी ली और कार्यों की सराहना की। कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्राम पंचायत मोहनझिर ग्राम चिचरिंगपुर में अन्नपूर्णा राइस मिल का निरीक्षण किया। अन्नपूर्णा राइस मिल ग्रामीण आजीविका विभाग के तहत संचालित है, जिसमें धान का प्रसंस्करण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने राइस मिल में चल रहे प्रसंस्करण कार्यों की प्रक्रिया की जानकारी ली, राइस मिल का संचालन रानी दुर्गावती स्व सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है, जो आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रही है। कलेक्टर मिश्रा ने पौधा रोपण के लिए जोगीटिकरीया में पहाड़ी क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वृक्षारोपण के लिए वाटरशेड विभाग को ऐसे स्थानों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। जहाँ पर उचित रूप से वृक्षारोपण करने के लिए पर्याप्त पानी की सुविधा हो, जिससे वृक्ष की आयु लम्बी हो सके। वृक्षारोपण के तहत लगाए पौधों का प्रबंधन करना जरुरी है। इसी क्रम में वाटरशेड विभाग द्वारा चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर मिश्रा ने जोगीटिकरिया क्षेत्र में किया, उन्होंने छोटी छोटी पहाड़ियों पर सघन वृक्षारोपण के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता अधिक संख्या में वृक्षारोपण करना नहीं है, हमारी प्राथमिकता पौधे की लम्बी आयु और उसकी वृद्धि पर है जिससे भविष्य के लिए ये वृक्ष उपयोगी हो। कलेक्टर श्री मिश्रा ने किसी बंजर पहाड़ी पर वृक्षारोपण कर हरा भरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत डिंडोरी निखिलेश कटारे, वाटरशेड अधिकारी स्टीफन इक्का सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दादी की पोटली: कुपोषण की जंग में जिला प्रशासन की अभिनव पहल

डिंडौरी । जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रेवा स्वास्थ्य कैम्प के माध्यम से बांटी जा रही दादी की पोटली कुपोषण की जंग में वरदान साबित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक शनिवार को आयोजित किए जाने वाले रेवा स्वास्थ्य कैम्पों के सकारात्मक परिणाम अब नजर आने लगे हैं। महिला बाल विकास विभाग द्वारा घर-घर जाकर सर्वप्रथम कुपोषित बच्चों को चिन्हित किया गया। जिससे प्रत्येक बच्चे की निगरानी करना आसान हो गया। रेवा स्वास्थ्य कैंपों के माध्यम से चिन्हित कुपोषित बच्चों को दादी की पोटली उनके घरों तक पहुंचाने का जिम्मा जिला प्रशासन के समस्त अधिकारियों ने निभाया। जिन्होंने गोद लिए बच्चों को दादी की पोटली निजी तौर पर जाकर सौंपी और निरंतर बच्चों की निगरानी करते रहे। जिनमें से 190 बच्चे अब सामान्य श्रेणी में आ गए। वहीं शेष 31 गंभीर कुपोषित बच्चों में सुधार जारी है। इसी क्रम में 261 कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने गोद लिया है। कुपोषण के तीन मुख्य कारण अस्वच्छता, पोषक तत्वों का अभाव और रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता का कम होना है। इन कारणों पर वार करते हुए दादी की पोटली दवाईयां, पोषण अनाज और स्वच्छता किट प्रदान करता है। दवाईयां में सितोपलादी चूर्ण, सुपुष्टि चूर्ण, वासकासव सीरअप, रोगों के प्रति रोधात्मक क्षमता बढाने में उपयोगी है, वहीं मूंगफली, फूटा, चना, गुड़ जैसे पोषक खाद्य द्वारा बच्चों को पोषणयुक्त भोजन मिल रहा है। कुपोषण का सबसे प्रमुख कारण अस्वच्छता है, इसलिए किट में रूमाल, टूथब्रस, नेलकटर, वैसलीन आदि स्वच्छता बढाने के लिए दी जा रही है। शनिवार को आयोजित होने वाले रेवा स्वास्थ्य कैम्पों में दादी की पोटली सभी चिन्हित कुपोषित बच्चों को प्रदान किया जाएगा।

जिला प्रशासन के प्रयासों से लगातार रोके जा रहे बाल विवाह

डिंडौरी । ग्राम खपरीपानी के नयाटोला में महिला बाल विकास विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त प्रयासों से ग्राम में हो रहे दो बाल विवाहों को रोका गया, संयुक्त टीम ने दोनों जोड़ों के परिवारों को समझाइश देकर समझाया कि विवाह के लिए लड़की की आदर्श आयु 18 वर्ष और लड़के की आदर्श आयु 21 वर्ष है। समझाइश के बाद दोनों जोड़ों के परिवारों ने सहमति से निश्चय किया कि आदर्श आयु में ही विवाह संपन्न क रें गे । जि ला प्रशासन लगातार बाल विवाह रोकने के लिए सार्थक प्रयास कर रहा है, ज्ञात हो कि कल ग्राम पंचायत सैलवार में भी बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, जनपद पंचायत और राजस्व विभाग के संयुक्त अमले ने बाल विवाह के बारे में वर वधु के माता पिता को समझाया, समझाइश के साथ ही ये भी बताया गया कि बाल विवाह करना और करवाना एक कानूनी अपराध है, बाल विवाह करने वालों के समस्त शासकीय लाभ पर प्रतिबन्ध लग जाता है, समझाइश के बाद दोनों पक्ष ने सहमति के साथ विवाह योग्य आयु होने पर ही विवाह करने का लिखित वचन दिया, जिला प्रशासन की तत्परता के फलस्वरूप बाल विवाह रोकने में सफलता प्राप्त हुई।

राशन दुकानों में पहुंच रहे सड़े घुने गेहूं

विक्रेता और हितग्राही हो रहे परेशान

राजनगर। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर शासन द्वारा अति गरीबी तथा गरीबी रेखा वाले हितग्राहियों को प्रतिमाह जो अनाज वितरण किया जाता है उसमें चावल की किस्म तो ठीक रहती है परंतु गेहूं 2 से 3 साल पुराने होने से गेहूं में घुन रहते हैं। और कई बोरों में गेहूं सड़े निकलते हैं। ऐसा शासकीय उचित मूल्य की दुकान राजनगर क्रमांक 1, क्रमांक 2, फुलकोना, सेमरा, डूमर कछार तथा डोला मे कई बार खराब गेहूं आ जाने के कारण विक्रेताओं तथा हितग्राहियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिस समय गोदाम से सभी उचित मूल्य की दुकानों पर गेहूं भेजा जाता है। उसी समय गोदाम में हेरा फेरी करके घुन लगे हुए गेहूं तथा सड़े हुए गेहूं के बोरो को अन्य गेहूं के बोरों के साथ मिलाकर भेज दिया जाता है। जिस कारण अनेक शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर खराब अनाज विक्रेताओं द्वारा न बांटने के कारण कई हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न नहीं मिल पाता है। जिससे विक्रेताओं

तथा हितग्राहियो को समय का नुकसान होता है। इस भीषण गर्मी में भी पूरे विक्रेता सभी हितग्राहियों को अनाज वितरण करने के लिए अपनी सेवाएं दे रहे हैं, परंतु इस स्थिति में खराब अनाज आ जाने के कारण विक्रेताओं का भी मनोबल कम होता है।

जहर से नव विवाहिता की मौत

अनूपपुर। जैतहरी थाना अंतर्गत खोलाड़ी गांव की निवासी एक नव विवाहित महिला ने सोमवार की दोपहर अज्ञात कारणो से जहरीला पदार्थ सेवन करने से गंभीर स्थिति में उपचार दौरान जिला चिकित्सालय अनूपपुर में मौत हो गई। घटना की जानकारी पर मंगलवार को कार्यपालिक दंडाधिकारी एवं जिला अस्पताल पुलिस के द्वारा मृतिका के मायका एवं ससुराल पक्ष की उपस्थिति में पंचनामा एवं अन्य कार्रवाही की। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जैतहरी थाना अंतर्गत ग्राम खोलाड़ी के घोघराटोला निवासी कमलेश सिंह की 22 वर्षीय पत्नी शांतिबाई सिंह जो सोमवार की दोपहर घर पर रही है अज्ञात कारण से सब्जी एवं अन्य फसलों में डालने वाली अत्यंत जहरीला पदार्थ का सेवन कर देने बाद गंभीर रूप से पीड़ित होने पर परिजनों द्वारा जैतहरी अस्पताल ले जाने पर प्राथमिक उपचार बाद देर शाम बेहतर उपचार हेतु चिकित्सक द्वारा जिला चिकित्सालय अनूपपुर रेफर किया गया जहां उपचार दौरान नव विवाहिता की देर शाम मौत हो गई। घटना की जानकारी ड्यूटी डॉक्टर द्वारा जिला अस्पताल पुलिस को दिए जाने पर मंगलवार की सुबह मृतिका के मायका गांगपुर थाना गोरेला (छत्तीसगढ़) में पिता एवं परिजनों को सूचित किए जाने पर मायका एवं ससुराल पक्ष की उपस्थिति में मंगलवार की सुबह कार्यपालिक दंडाधिकारी अनूपपुर मिथिला प्रसाद पटेल, जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी हरपाल सिंह परस्ते ने पंचनामा एवं परिजनों की कथन लेते हुए कार्रवाई की तथा ड्यूटी डॉक्टर से मृतिका के शव का पीएम कराने बाद अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौपा गया है। घटना की जानकारी जैतहरी थाना को प्रदाय की गई है। मृतिका शांतिबाई की बड़ी बहन सुषमा सिंह खोलाड़ी गांव में ही ब्याही है उसने तथा मृतिका के पिता ने बताया कि शांतिबाई कि विगत ढाई वर्ष पूर्व विवाह किया गया रहा है जो परिवार के साथ ससुराल में खुश रहती रही है। पता नहीं क्यों अज्ञात कारणों से उसने जहर खाया है जबकि पति कमलेश सिंह ने बताया कि वह गांव में ही एक शादी समारोह में कर रहा है घर पर पत्नी एवं परिवार के अन्य सदस्य रहे हैं। अचानक बताया गया कि पत्नी शांतिबाई की तबीयत खराब है जिसे हम लोग जैतहरी एवं अनूपपुर अस्पताल उपचार हेतु ले आये रहे हैं मेरी पत्नी ने किस कारण से जहर खाया यह मुझे ज्ञात नहीं है।

गोरसी क्षेत्र में भालू के विचरण से ग्रामीणों में दहशत

अनूपपुर। जिले के जैतहरी तहसील एवं जैतहरी रेंज अंतर्गत गोरसी गांव से लगे जंगल में दो दिनों से भालू निरंतर विचरण कर रहा है जिसे देख ग्रामीण भयभीत है। भालू के विचरण की सूचना मिलने पर जैतहरी वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी भालू पर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने हेतु ग्राम पंचायत एवं

अन्य के माध्यम से मुनादी कराई है। यह भालू सोमवार की सुबह कोयलारी नाला एवं तिपान नदी के समीप जंगल में विचरण करते हुए ग्रामीणों को दिखा रहा दिन में जंगल में विश्राम करने बाद देर शाम गोरसी के मैरटोला में विचरण करते आ गया था जिसे ग्रामीणों द्वारा भगाया गया था। मंगलवार के दिन वन विभाग द्वारा भालू के विचरण पर गश्ती कर ग्रामीणों को सुरक्षित रहने, अकेले जंगल में न जाने की सलाह दी है।

शादी समारोह से वापस लौट रहे व्यक्ति की कुएं में गिरकर मौत

वेंकटनगर। जैतहरी थाना के वेंकटनगर चौकी अंतर्गत ग्राम कपरिया के (बडका टोला) में शादी समारोह से वापस लौट रहे व्यक्ति की कुआं में गिरने से मौत हो गई है, जहां पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पीएम हेतु वेंकटनगर भेजा दिया है। पीएम होने के उपरांत शव परिजन को को सौंप कर जांच में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अपने ही गांव कपरिया के (बडका टोला) में एक शादी समारोह में गया हुआ था, जो लगभग 10 बजे के आसपास देखा गया था जिसके बाद 14 मई को कुआं के अंदर शव बरामद किया गया, मृतक मुकेश ओट्टी पिता दलवीर ओट्टी उम्र 42 वर्ष निवासी ग्राम कपरिया जिसके सर में गंभीर चोट लगी हुई थी। ग्रामीणों इसकी जानकारी वेंकटनगर पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुआं से निकालकर पीएम के लिए भेजा है। जहां पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना का स्पष्ट कारण पता चल सकता है, वही पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मौके पर जैतहरी थाना से एसआई अमरलाल यादव, वेंकटनगर चौकी प्रभारी बालेन्द्र प्रताप सिंह बघेल, एएसआई रवी शंकर गुप्ता, प्रधान आरक्षक सुखदेव भगत, आरक्षक विक्रम

खबर संक्षेप

वैशाख माह पर श्री हनुमानजी की धूमधाम से भक्तों ने की महा आरती

नरसिंहपुर। श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर मे बजरंग सेना नर्मदाखंड महाआरती समिति के तत्वाधान में श्रीराम भक्त हनुमानजी की महाआरती रघुनाथ राय के द्वारा पंडित दीपक तिवारी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ पूजनअर्चन संपन्न किए जाने के तत्पश्चात उपस्थित श्रद्धालु जनों ने सामूहिक रूप से श्रीराम स्तुति श्री हनुमान चालीसा श्री हनुमानजी की महाआरती का गायन किया गयाएगौरतलब हैकि श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को श्री हनुमान लला की संगीतमय महाआरती 230वें सप्ताह से निरंतर जारी साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली सदस्यो द्वारा भजनों की अनुपम प्रस्तुति आकाशवाणी कलाकार संदीप तिवारी श्यामाचरण पाराशर श्यामाचरण झरिया अखिलेश सोनी पप्पू कमल स्वामी धर्मेंद्र चौबे बालकराम बैद्य सालकराम साहू नीरज दुबे दीपक सराठे यश झरिया विज्जुभाई ढोलक मास्टर विजय मन्नू कुशवाहा एवं सहयोगियों के द्वारा महाआरती संपन्न किए जाने के उपरांत उपस्थितजनो को महाप्रसाद वितरित किया गयाएइस अवसर पर नर्मदाप्रसाद गुप्ता रघुनाथ राय अभिषेक दुबे प्रेमनारायण पटेल नीरज अप्पूसोनी बसंत दुबे मयंकशर्मा मनीष साहू एकांत दुबे रानू मुकेश ठाकुर नीरजनेमा कृष्णकांत पटैल विनोद साहू सौरभ श्रीवास्तव एवं मातृशक्ति लीलावती पटेल अनीता साहू सुमन गुप्ता सोनाली नामदेव मंजू गुप्ता शैली ददरया राधिका वैष्णव पूर्वी तिवारी सहित विशेष रूप से वृद्ध आश्रम के समस्त सदस्यों की उपस्थिति रहने के साथ.साथ बड़ी संख्या में अन्य भक्तगण व मातृशक्ति की उपस्थिति सराहनीय रही।

महाआरती का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। बगतला स्थित ष्संकट मोचन हनुमान मंदिर में हर सप्ताह की तरह इस सप्ताह भी संगीतमय महाआरती का आयोजन निरंतर जारी है। इस सप्ताह 14 मई दिन मंगलवार समय रात्रि 7.30 बजे हनुमान महाराज की संगीतमय महाआरती संपन्न की गई। महाआरती के यजमान विवेक नामदेव द्वारा संपन्न की गई, मंदिर परिसर पर श्रध्दालुओं ने एकत्रित होकर महाआरती कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

परी पलक का सुयश

तेंदूखेड़ा- विगत दिवस घोषित हुये सीबीएसई परीक्षा परिणामों मे नगर के प्रतिष्ठित नगरिया परिवार के प्रदीप नगरिया की सुपुत्री पलक नगरिया ने कक्षा 10 वीं मे 84 प्रतिशत एवं परी नगरिया ने कक्षा 11 वीं मे 89 प्रतिशत अंक अर्जित किये है। दोनों छात्राओं की इस सफलता पर परिजनों एवं शुभचिंतकों ने बधाई प्रषित करते हुये इनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मां पीतांबरा प्राकट्य उत्सव आज

तेंदूखेड़ा- पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट ककरा घाट पर मां पीतांबरा धाम का आज 15 मई को प्राकट्य उत्सव मनाया जाएगा। यहां पर विराजमान साधक पूज्य गुरुदेव ने बताया कि इस दिन सुबह 11 बजे से पूजन अर्चन एवं भंडारा प्रसादी वितरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील शिष्य मंडली द्वारा की गई है।

कथा का किया रसपान

नरसिंहपुर। गोटेगांव समाजसेवी स्वर्गीय मणिनागेन्द्र सिंह की स्मृति में निज निवास पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा मूल पाठ के तीसरे दिवस कथावाचक पंडित जितेंद्र चौबे, युगल किसोर तिवारी एवं उनके सहयोगी आचार्यो के द्वारा भगवान प्रहलाद चरित्र गाजा ग्रह बारे में दृष्टांत के माध्यम से श्रद्धालु बंधुओं को समझाया।

सीएचओ ग्रामीण की जगह स्वास्थ्य केंद्र में दे रहे सेवाएं

ग्रामीण मरीज परेशान, नहीं मिल रहा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

बीएमओ की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल, लगातार विसंगतियों के चलते स्वास्थ्य विभाग की गिर रही छवि

श्रीधाम स्थित सरकारी अस्पताल लगातार सुर्खियों में है, बीएमओ एसएस धुर्वे की कार्य प्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे है। आए दिन कुछ न कुछ मामलों को लेकर सरकारी अस्पताल समाचार पत्रों की सुर्खियां बना रहता है।

नरसिंहपुर।

बावजूद इसके जिम्मेदार मौन धारण किए हुए हैं, जिसके चलते लगातार गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अनियमितताएं देखने को मिल रही है, इसी कड़ी में एक और मामला स्वास्थ्य केंद्र मे फिर चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव में बीएमओ एसएस धुर्वे अपनी मनमर्जी के मुताबिक से ब्लाक मेडीकल का कार्यभार संचालित कर रहे है, ग्रामीण में सेवाएँ देने वाले अधीनस्थ कर्मचारी, सीएचसी में डियुटी करा रहे है। जिसके कारण ग्रामीणजनो को स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएचसी हफ्ते में दो बार ड्यूटी करते हैं और बीएमओ की मेहरबानी से चार छुट्टी का फायदा उठा रहे है।

आखिर कब तक स्वास्थ्य केंद्र में होते रहेंगे हादसे

वहीं दूसरी ओरए सीबीएमओ एसएस धुर्वे के कारण सीएचसी में पदस्थ चिकित्सक अपने घर में प्राइवेट मरीज देख कर माल कमा रहे हैं, जिसके परिणाम स्वरूप कुछ दिनों पूर्व गर्भवती हरिजन महिला जच्चा-बच्चा दोनों ही उनकी लापरवाही के चलते असमय काल के गाल में समां गए, संपूर्ण जानकारी होने के बावजूद भी जनप्रतिनिधि व जिम्मेदार अधिकारी मौन धारण किए हुए हैं। इस मामले पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। आम नागरिकों ने तत्काल ऐसे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने के साथ.साथ स्वास्थ्य केंद्र में समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएं जाने की मांग की है

इनका कहना है

हमारे पास स्टाफ की कमी होने के कारण सीएचओ की ड्यूटी लगाना पड़ती है, जहां जैसी जरूरत होती है, अपने अधीनस्थ कर्मचारियों और चिकित्सकों की सेवाएं ली जाती है। इस मामले में भी स्टाफ की कमी के चलते उन्हे यह जिम्मेदारी दी गई है।

एसएस धुर्वे
बीएमओ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर

बैलहाई बाजार आयोजित भागवत कथा में श्रद्धालु पहुंचकर कथा का उठा रहे रसपान

नरसिंहपुर।

बैलहाई बाजार स्थित प्रांगण में स्व. भरतराय की पुण्य स्मृति में चल रही संगीतमय श्री मद्भागवत महापुराण कथा के चतुर्थ दिवस पूर्ण विधि-विधान मंत्रउच्चारण के साथ पूजन ,अर्चन, आरती बंधन किए जाने के उपरांत कथा वाचक पंडित धर्मेंद्र कृष्णशास्त्री महाराज मुखारविंद से सुंदर प्रहलाद चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा, कि पिता हिरण्यकश्यप द्वारा अनेक कष्ट प्रहलाद जी को दिये गये, लेकिन उन्होंने भगवान की भक्ति करना नहीं छोडा एवं भगवान की भक्ति पचपन से नहीं बचपन से करना चाहिए, उसके बाद गज ग्रह का प्रसंग, बलि वामन की कथा, समुद्र मंथन की कथा, श्री राम कथा सुनाकर श्रोताओं को कृष्ण जन्म की कथा सुनाई, यह आयोजन नीतेश राय नीलेश राय उनकी माता शांति राय द्वारा कराई जा रही है। वही कथा में यजमान नितेश राय, निलेश राय एवं उनकी माता ने समस्त श्रद्धालु बंधुओ से प्रतिदिन भगवान की कथा में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। भागवत कथा में पार्षद रजनी राजेंद्र राय सहित बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी जनता ने उपस्थित होकर कथा का रसपान कर धर्म लाभ उठाया।

विभिन्न ग्रामों में निर्माणधीन पड़ा पानी की टंकियां का कार्य

भीषण गर्मी में ग्रामवासी पानी के लिए भटक रहे यहां से वहां

नरसिंहपुर।

विगत दिवस जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली बहुत सी ग्राम पंचायतों में पायली जल प्रदाय योजना के माध्यम से पेयजल टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है जो कि कुछ निर्माणधीन अवस्था में पड़ा है एवं कुछ गांव में पेयजल टंकी का कार्य लेने वाले ठेकेदारों ने पूरा कर दिया है जिन ठेकेदारों ने अन्य गांव की पेयजल टंकी का निर्माण कार्य अपने हाथ में लिया है ऐसे ठेकेदारों के द्वारा पेयजल टंकी निर्माण में लेटलतीफी बरती जा रही है जिसके कारण इन टंकियों का निर्माण कार्य अधूरा ही पड़ा हुआ है। जिससे ग्राम वासियों को बूंद बूंद पानी के लिए यहां से वहां भटकना पड़ रहा है अभी हाल ही में वर्तमान समय में बुढैनाए बम्हनीए दबकियाए सुकरीए भंडरीए राजाकछारए मंहगुंवा गांव की पेयजल टंकी का निर्माण कार्य अधूरा ही पडा हुआ है। एलएनटी ने पायली जल प्रदाय योजना का कार्य अपने हाथ में लिया है इसने पेटी ठेकेदारों के माध्यम से इसका अलग अलग तरीके से कार्य करवाया है। जिन्होने पेयजल टंकी का कार्य किया ऐसे कुछ ठेकेदार का कार्य बहुत ही धीमी गति से चल रहा है वही कुछ ने कार्य छोड़ दिया है जिसके कारण टंकी का निर्माण कार्य अटक गया है। जो ठेकेदार निर्माण कार्य कर रहे है उनका कार्य बहुत धीमी गति से संचालित है जिसके कारण उक्त योजना का कार्य पिछड़ रहा है। और इस भीषण गर्मी में ग्राम वासियों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस भीषण गर्मी में ग्राम वासियों ने अधिकारियों से यह मांग की है कि जल्द से जल्द यह निर्माणधीन पानी की टंकियों का कार्य तेज गति से शुरू कराया जाए ताकि हो रही ग्रामीण क्षेत्रों पानी की विकराल समस्या को लेकर अधिकारियों को ध्यान आकर्षित कर निर्माणधीन पड़ी पानी की टंकियां को जल्द शुरू करना जनहित की दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण जनों के हित में न्यायोचित होगा।

वीरान पड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र, मरीजों को दिक्कत, जाना पड़ रहा शहर

कमोद ग्राम पंचायत का मामला, लंबे समय से चिकित्सक की नियुक्ति नहीं

नरसिंहपुर।

गोटेगांव तहसील मुख्यालय के समीप ग्राम पंचायत कमोद का उपस्वास्थ्य केंद्र हर समय वीरान पड़ा रहता है। जिसके कारण प्रसूताओं समेत अन्य मरीजों को शहर की ओर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों में इस अव्यवस्था को लेकर आक्रोश है। इस उपस्वास्थ्य केंद्र से कमोद समेत आसपास के दर्जनभर गांव के लोग निर्भर हैं। ग्रामीणों का कहना है, कि इस केंद्र में वर्षो से महिला चिकित्सक को नियुक्त किए जाने की मांग की जा रही है। बावजूद इसके जिम्मेदार मांग को अनसुना कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है, कि महिला चिकित्सक नहीं होने से प्रसूताओं समेत अन्य बीमारियों से जूझने वाली महिलाओं को शहर जाकर निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ता है, जो खर्चीला होने के साथ-साथ समय की बर्बादी करने वाला भी होता है। इससे परेशानी भी अधिक होती है। इसी तरह पुरुष वर्ग के अन्य मरीजों को भी वीरान पड़े उपस्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज नहीं मिल पा रहा है। दुर्घटना आदि में घायल कई लोग तो शहर ले जाने के दौरान बीच रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। ग्रामीण लंबे समय से इस बंद पड़े उपस्वास्थ्य केंद्र को खोले जाने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर आए दिन मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायतें भी हो रहीं हैं। बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

आत्मा का भाव हो तो भगवान भी सहजता से मिल जाते है

कथा के दौरान कथा व्यास ने कहा

तेंदूखेड़ा

भगवान भक्त के वशिभूत हुआ करते है। हम उनके प्रति अपना जैसा भाव रखते है। वह हमें वैसा ही प्रदान करते है। भगवान केवल भाव के भूखे है।यदि हमारा भाव है तो सहजता से मिल भी जाते है। उक्त विचार तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रं 8 मे चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह के दौरान कथा व्यास पं. सत्यम तिवारी जी महाराज के द्वारा कही गई। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपरांत भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं माखन चोरी और कालिया नाग उपाख्यान के दौरान बड़े ही मनोरम भाव से कथा व्यास ने भगवान श्री कृष्ण के गर्गाचार्य मुनि द्वारा नामकरण संस्कार की व्याख्या करते हुये श्रद्धालु श्रोताओं के बीच अपनी बात रखते हुये स्पष्ट किया कि हमें अपने बच्चों के नाम भी भगवत नाम जैसे ही रखना चाहिये। जब अजामिल एक बार नारायण कहने से उद्धार हो जाता है तो हम अपने बच्चों के बार बार भगवत नाम लेने से हमारा कल्याण भी संभव है। बाल स्वरूप श्री कृष्ण दर्शन को पंहुचे भगवान भोलेनाथ के वृतांत तृणावृत राक्षस के वध की कथा नंदेश्वर महादेव का नामकरण की कथा को सुनाते हुये उपस्थित नारी शक्ति से आहवान किया कि यदि महिलायें चाहें तो अपने घर के वातावरण को सुंदर बना सकती है। घर मे भगवान का मंदिर पुजा और उनके भोग मे हमारे परिवार की आस्था सहित विभिन्न बिंदुओं पर काफी विस्तार से बात रखी। कथा श्रवण करने हेतु बड़ी संख्या मे श्रोता श्रद्धालु पंहुच रहे है। इस मौके पर क्षेत्र के विद्वान पं. प्रमोद पचोरी भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नर्मदा घाटों में सुबह से दोपहर तक रही भीड़, शाम की महाआरती में भी उमड़े भक्त

नरसिंहपुर। गंगा सप्तमी के अवसर पर समीपवर्ती घाटों में आस्था से सराबोर रही। श्राद्धलुओं ने मां नर्मदा का पूजा अर्चना किया साथ ही मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। गंगा सप्तमी पर नर्मदा तट के झांसी घाटए मुआर घाटए जमुनिया घाटए ब्रह्मकुंड घाटए सांकल घाट सहित सभी घाटों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। घाटों पर सुबह से ही स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। जो दोपहर तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ ही शाम को मुआर घाट में होने वाली नर्मदा महाआरती में भी भाग लिया। पंडित लक्ष्मीनारायण तिवारी ने बताया कि गंगा अवतरण दिवस पर नर्मदा व गंगा स्नान का बड़ा महत्व है। इस दिन मां नर्मदा स्नान करने से सौ गुना पुण्य फल मिलता है। वैशाख मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मां गंगा स्वर्ग लोक से शिवशंकर की जटाओं में पहुंची थी। इसलिए इस दिन को गंगा सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। जिस दिन गंगा जी की उत्पति हुई वह दिन गंगा जयंती वैशाख शुक्ल सप्तमी और जिस दिन गंगाजी पृथ्वी पर अवतरित हुई वह दिन गंगा दशहरा ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मनाया जाता है। इस दिन मां गंगा का पूजन किया जाता है। इसके साथ ही नर्मदा स्नान का भी काफी महत्व है। इस दिन गंगा जी मां नर्मदा से मिलने आती है। जो व्यक्ति नर्मदा स्नान करता है उसे गंगा जी के स्नान का भी पुण्य मिलता है। गंगा सप्तमी के अवसर पर्व पर मां नर्मदा व गंगा जी में डुबकी लगाने से मनुष्य के सभी पाप धुल जाते हैं और मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन नर्मदा स्नान करने से मनुष्य सभी दुखों से मुक्ति पा जाता है।

श्रीधाम के बरेठा में स्थित है माता का अर्जी वाला मंदिर, सभी की पूरी होती हैं मनोकामनाएं

नरसिंहपुर ।

जिले का श्रीधाम तहसील एक ऐसा नहर जहां धार्मिकता का अहसास शहर की प्राचीनता से होती है। इस शहर के लोगों में धर्म और श्रद्धा भाव इस प्रकार से समाहित है, कि लोग बड़ी संख्या में अपने-अपने इष्ट को प्रणाम करने के लिए मंदिरों में पहुंचते हैं। इस शहर के मंदिर भी अब तक ना जाने कितने ही वैभव और समृद्धि को अपने भीतर समेटे हुए हैं। अपने द्वार पर आने वाले भक्तों को कभी भी निराश नहीं करते, ऐसे ही एक मंदिर जहां सच्चे मन से अपनी अर्जी लगाने से आपकी हर अर्जी पूरी की जाती है। शायद यही कारण है कि लोग इस मंदिर को अर्जी वाली जोगनी माता मंदिर बरेठा के नाम से जानते हैं। यहां पर आने वाले श्रध्दालुओं का कहना है, कि जितना उन्हें पता है, कि यह मंदिर लगभग 50 वर्ष से भी अधिक पुराना है। जब यहां कुछ भी नहीं था। उस समय यह मंदिर बेहद छोटे स्वरूप में हुआ करता था। इस मंदिर में स्थापित माता रानी की प्रतिमा बेहद चमत्कारी और दयालु है। यहां पर सच्चे मन से अर्जी लगाने पर मां अपने याचक की जरूर सुनते हैं और उसकी अर्जी पूरी भी होती है। प्रतिदिन यहां पर सैंकड़ो लोग पहुंचते है और मां के दरबार में अपनी अर्जी लगाते है। माता जी सभी की मनोकामना पूर्ण करती हैं। प्रति सोमवार के दिन यहां दरबार लगता है और भारी भीड़ होती है, बाहर से लोग बहुत आते हैं।